

न्यायालय सहायक कलक्टर उच्चैन जिला भरतपुर

पीठासीन अधिकारी :- श्री ललित मीणा आर०ए०एस०

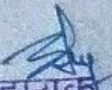
उनवान:-

1. कृष्ण कन्हैया पुत्र कुमरपाल जाति काछी निवासी वंशी वागरी तहसील रूपबास जिला भरतपुर (राज०)

वादी/प्रार्थी

बनाम

1. कुमरपाल
2. किशनसिंह
3. अशोक पुत्रान रामसिंह
4. विमलेश पत्नि किशनसिंह
5. सौमौती पत्नि कुमरपाल
6. नत्थी सिंह पुत्र श्रीचन्द समस्त जातियान काछी निवासी बंशी बागरी तहसील रूपबास
7. राधा रमन पुत्र जौहरी जाति ब्राहमण निवासी सिकरौदा तहसील रूपबास
8. चेतकौर पुत्र रामसिंह पत्नि खूवीराम जाति माली निवासी वैर तहसील वैर
9. बरफी पत्नि भगवान सिंह
10. रूपसिंह पुत्र बुद्धि
11. भगवान सिंह पुत्र ताराचन्द समस्त काछी निवासी वहरावली
12. नर्वदा पत्नि भगवान सिंह जाति कछवाहा निवासी मारुति स्टेट चौराहा वोरला आगरा
13. पुस्कर लाल पुत्र गंगादेई पुत्री रामसिंह
14. जमना
15. भगवती
16. जानकी पुत्रिया गंगादेई जाति काछी निवासी वमनपुरा मौहल्ला बयाना जिला भरतपुर राज.
17. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार तह० रूपबास


सहायक कलक्टर
उच्चैन (भरतपुर)

18. प्रबन्धक महोदय बैंक शाखा पंजाब नेशनल बैंक खानुआ तह0 रूपवास -
19. सुमेरा पुत्र रामजीलाल जाति काछी निवासी वंसीवागरी तह0 रूपवास
20. वीरेन्द्र
21. प्रेम सिंह
22. राकेश कुमार
23. उदयवीर पुत्रान महावीर सिंह जाति धोवी निवासी पीली पोखर तह0 एत्मादपुर जिला आगरा उ.प्र.

प्रतिवादीगण/अप्रार्थीगण

उपस्थित-

1. श्री मुकेशचन्द्र शर्मा एडवोकेटप्राथी
2. श्री धर्मेन्द्र चौधरी एडवोकेट अप्रार्थीगण

निर्णय

दिनांक 12/01/2021

संक्षेपतः प्रार्थना पत्र के तथ्य निम्न प्रकार है कि प्राथी ने प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1956 की धारा 212 आर0टी0ए0 के अन्तर्गत पेश किया है कि विवादित आराजी खसरा नम्बरान 208 रकबा 01 बीघा 18 विस्वा. 764/101 रकबा 02 बीघा 04 विस्वा. 67 रकबा 05 बीघा 98 रकबा 02 बीघा 11 विस्वा. 99 रकबा 03 बीघा 07 विस्वा. 107 रकबा 04 बीघा 03 विस्वा. 160 रकबा 03 बीघा 11 विस्वा. दृ 457 रकबा 05 बीघा 14 विस्वा. 808/233 रकबा 03 बीघा 09 विस्वा. 235 रकबा 06 बीघा 06 विस्वा. 22 रकबा 08 बीघा 19 विस्वा. 323/1 रकबा 01 बीघा 11 विस्वा. 397/1 रकबा 11 विस्वा. वाकै ग्राम बंशी वागरी तहसील रूपवास जिला भरतपुर में स्थित हैं जिसकी नकल जमाबंदी संवत् 2067 -2070 संलग्न है।

उक्त आराजी वादी/प्राथी के वावा स्वर्गीय श्री रामसिंह की छोड़ी हुई एवं उनकी स्वम अर्जित सम्पति है जिसको उन्होंने अपने जीवनकाल में अपनी स्वतंत्र इच्छा से व बबुस्ती होशो हवास में दिनांक 23/7/1996 वादी एवं वादी के भाई महेश कुमार के हक में वसीयतनाम तहरीर व तस्तीक करवाकर नोटरी पब्लिक से तस्तीक करवाया था श्री रामसिंह का दिनांक 29/9/1996 को देहांत हो गया वादी के हक में की गई यह वसीयत अंतिम वसीयत है वादी के उक्त भाई महेश की मृत्यु हो गई इसलीय वादी ही अकेला विवादित आराजी का स्वामी हो गया है। प्रतिवादीगण अधिकतर वादी के परिवारजन है। जिन्होंने राजस्व कर्मचारियों से मिलकर उक्त आराजी का विरासत का नामांतकरण अपने नाम करवा लिया है। वादी को प्रतिवादीगण ने धमकी दी की हमने राजस्व कर्मचारियों से मिलकर के रामसिंह की छोड़ी हुई उक्त आराजी को तुम्हारी नावालिगी में अपने नाम करवा लिया है अब हम तुम्हारे नाम का राजस्व रिकार्ड में

सहायक कलेक्टर
नवीन (भरतपुर)

दावा नहीं करने देंगे यदि प्रतिवादीगण अपने धमकी में सफल हो गये तो वादी को ऐसी अपरिमित क्षति होगी जिसकी क्षतिपूर्ति रूपयों पैसों से सम्भव नहीं है। इसलिए प्रातिवादीगण के विरुद्ध घोषणा एव अस्थाई निषेधाज्ञा का दावा पेश करना आवश्यक हो गया है।

प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र स्वीकार कर अप्रार्थीगण को ताफैसला वाद जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से इस प्रकार पाबंद किये जाने हेतु निवेदन किया है कि विवादित आराजी खसरा नम्बरान 208 रकबा 01 बीघा 18 विस्वा. 764/101 रकबा 02 बीघा 04 विस्वा. 67 रकबा 05 बीघा 98 रकबा 02 बीघा 11 विस्वा. 99 रकबा 03 बीघा 07 विस्वा. 107 रकबा 04 बीघा 03 विस्वा. 160 रकबा 03 बीघा 11 विस्वा. दृ 457 रकबा 05 बीघा 14 विस्वा. 808/233 रकबा 03 बीघा 09 विस्वा. 235 रकबा 06 बीघा 06 विस्वा. 22 रकबा 08 बीघा 19 विस्वा. 323/1 रकबा 01 बीघा 11 विस्वा. 397/1 रकबा 11 विस्वा. वाकैँ ग्राम बंशी वागरी तहसील रूपबास जिला भरतपुर में प्रार्थी के कब्जे कास्त में कोई बाधा उत्पन्न करे और ना ही उक्त आराजी को दीगर व्यक्ति हो रहनवय मुक्तकिल नहीं करे तथा रिकार्ड एवं मौके की यथास्थिति बनाये रखे।

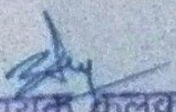
प्रार्थना पत्र दर्ज रजि० किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलव किया गया अप्रार्थी संख्या 7,18,19 के विरुद्ध दिनांक 13/3/18 को एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई अप्रार्थीगण ने जवाब पेश किया जिसका संक्षेप में विवरण इस प्रकार है कि उक्त आराजी बाबा श्री रामसिंह (मृतक) की स्व अर्जित आराजी नहीं है क्योंकि उक्त आराजी अप्रार्थी सं० 1 लगा० 3,8 व 13 लगा० 17 के बाबा श्री वंशी पुत्र नंदकिशोर की छोडी हुई आराजी है। प्रार्थना पत्र में प्रार्थी द्वारा सही तथ्यों को जानबुझकर छिपाते हुए गलत तथ्यों के आधार पर प्रार्थना पत्र पेश किया जिसका वास्तविकता से कोई संबंध एवं सरोकार नहीं है उक्त विवादित आराजी मृतक वंशी की छोडी हुई आराजी है जो रामसिंह-को विरासतन प्राप्त हुई जिसकी वसीयत का अधिकार रामसिंह को नहीं था यदि ऐसी स्थिति में कोई वसीयत की जाती है तो आर०टी०ए० के प्रवधानों के तहत उसे नल एंड बोर्ड घोषित कराने की आवश्यकता नहीं है वसीयत स्वतः ही निस्प्रभावी समझी जावेगी। अप्रार्थीगण ने प्रार्थना पत्र 212 आर०टी०ए० को खारिज किये जाने हेतु निवेदन किया है।

उभयपक्ष के योग्य अभिभाषक गणों की वहस सुनी गई एवं उनके तर्कों पर मनन किया गया प्रार्थी के प्रार्थना पत्र एवं अप्रार्थीगण के जवाब प्रार्थना पत्र एवं राजस्व रिकार्ड का अवलोकन किया गया प्राइमफेसी कंस, सुविधा का संतुलन एवं अपूर्णनीय क्षति के बिंदु प्रार्थी के पक्ष में साबित नहीं होने के कारण प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा खारिज किये जाने योग्य है।

अतः आदेश है कि

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर०टी०ए० खारिज किया जाता है प्रत्रावली फैंसल शुमार होकर नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


सहायक कलक्टर
बरेली (भरतपुर)